Page No.:
Date:

Modern Theory of Rent -(4).

(2). पूर्णतः बेलोचदार पूर्ति (Perfectly inelastic supply) अथवा पूर्ण विशिष्ट साधन (Perfectly specific factor) —

यदि साधन की मांग में परिवर्तन यानी कमी या वृद्धि दोनों ही स्थिति में, होने पर साधन की पूर्ति स्थिर रहती है तब ऐसी दशा में पूर्ण बेलोचदार पूर्ति वाला साधन पूर्ण विशिष्ट हो जाता है। ऐसी स्थिति में हस्तान्तरण आय शून्य होगी तथा साधन की सम्पूर्ण वास्तविक आय ही लगान होगी। ऐसी पूर्ण बेलोच पूर्ति वाले साधन की मांग बढ़ने पर उस साधन की वास्तविक आय बढ़ जाती है। दूसरे शब्दों में, पूर्ण बेलोच पूर्ति वाले साधन की समस्त आय लगान होती है।

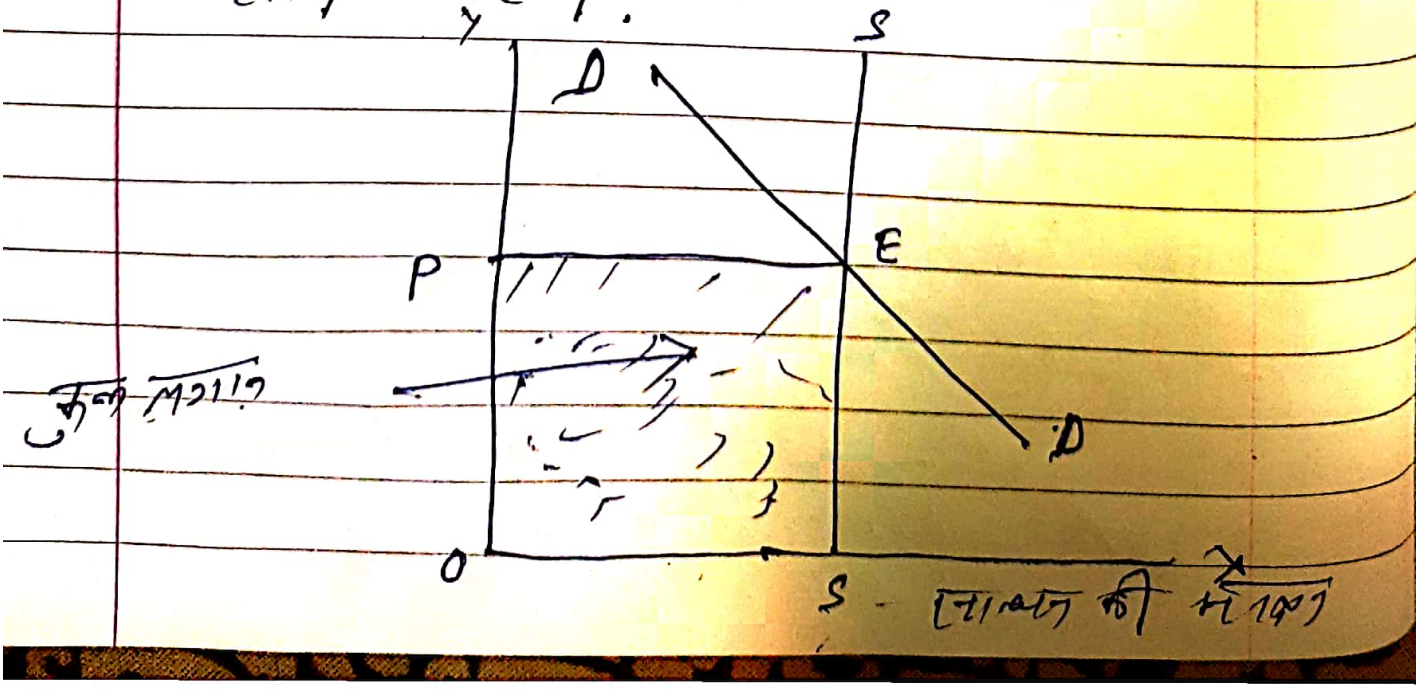

जैसा कि चित्र में दिखाया गया है SS रेखा साधन की पूर्ति/ बेलोच पूर्ति को बतलाती है DD मांग रेखा को। साधन की प्रति इकाई कीमत OP (= ES) होगी। इस स्थिति में साधन की हस्तान्तरण आय शून्य होगी क्योंकि साधन की गतिशीलता पूर्णतः अनुपस्थित होने के कारण साधन पूर्ण विशिष्ट बन जाता है। ऐसी दशा में लगान = वास्तविक आय − हस्तांतरण आय (शून्य) से सम्पूर्ण वास्तविक आय OPES लगान के बराबर होगी जैसा कि चित्र में दिखाया गया है। दूसरे शब्दों में पूर्ण बेलोच पूर्ति वाले साधनों की समस्त आय लगान होती है।

To be continued

Thank you